भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2814

12 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्मार्ट सिटी मिशन की विशेषताएं

2814. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:

श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार दवारा देशभर में चलाए जा रहे स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) की विशेषताएं क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त मिशन के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई निधियों का क्रमशः मुम्बई और खंडवा सहित महाराष्ट्र, दादरा और नागर हवेली और मध्य प्रदेश में वर्ष-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त मिशन के अंतर्गत महाराष्ट्र, दादरा और नागर हवेली तथा मध्य प्रदेश सहित मुंबई और खंडवा में क्रमशः पूर्ण हो चुकी तथा पूर्ण होने के अंतिम चरण में चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त मिशन के अंतर्गत अब तक प्राप्त किए गए प्रमुख उपलब्धियों का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या एससीएम देश भर में जीवन की गुणवता में सुधार करने वाला शहरी परिवर्तन का प्रतीक रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) का उद्देश्य उन शहरों को बढ़ावा देना है जो मूल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करते हैं और अपने नागरिकों को एक सभ्य जीवन स्तर, स्वच्छ और स्थायी पर्यावरण और 'स्मार्ट समाधान' प्रदान करते हैं। भारतीय स्मार्ट सिटीज मिशन में व्यापक विकास की कुछ विशिष्ट विशेषताओं में, अन्य बातों के साथ-साथ, क्षेत्र-आधारित विकास में मिश्रित भूमि उपयोग को बढ़ावा देना; आवास और समावेशिता; पैदल चलने योग्य इलाके बनाना; खुली जगहों को संरक्षित और विकसित करना; विभिन्न प्रकार के परिवहन विकल्पों को बढ़ावा देना, जैसे, पारगमन उन्मुख विकास (टीओडी), सार्वजनिक परिवहन और अंतिम गंतव्य तक पैरा-ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी; शासन को नागरिक-अनुकूल और लागत प्रभावी बनाना; शहर को उसकी मुख्य आर्थिक गतिविधि के आधार पर एक पहचान देना; और उन्हें बेहतर बनाने के लिए क्षेत्र-आधारित विकास में इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं में स्मार्ट समाधान लागू करना। तथापि, शहर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर, इन कार्यक्रमों को कार्यान्वित करते समय इनमें से कुछ विशेषताओं का उपयोग कर सकते हैं।

(ख) एससीएम के तहत, केंद्र सरकार ने 100 शहरों के लिए कुल 48,000 करोड़ रु. का परिव्यय रखा है। 15.11.2024 तक, केंद्र सरकार ने एससीएम के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 47,225 करोड़ रु. जारी किए हैं, जिनमें से 44,626 करोड़ रु. (अर्थात जारी किए गए कुल केंद्रीय हिस्से का 94%) का उपयोग किया जा चुका है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में एससीएम के अंतर्गत संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव (डीएनएच और डीडी), महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों को जारी और उपयोग की गई केंद्रीय सहायता का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग) एससीएम के अन्तर्गत महाराष्ट्र, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव तथा मध्य प्रदेश में पूर्ण हो चुकी तथा अंतिम चरण में पहुंच चुकी परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है।

एससीएम के तहत चयनित 100 शहरों में मुंबई और खंडवा शहर शामिल नहीं हैं।

(घ) और (ड.) 100 स्मार्ट सिटीज द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, 15.11.2024 तक, स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत 1,64,669 करोड़ रु. की लागत वाली 8,066 परियोजनाओं में से 1,47,366 करोड़ रूपये की लागत वाली 7,352 परियोजनाएं (अर्थात कुल परियोजनाओं का 91%) पूरी हो चुकी हैं।

एससीएम की पूर्ण की जा चुकी परियोजनाओं की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में, अन्य बातों के साथ-साथ, सभी 100 स्मार्ट सिटीज में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी), 84,000 सीसीटीवी निगरानी कैमरे, 1,884 आपातकालीन कॉल बॉक्स, 3,000 से अधिक जन सूचना प्रणालियां, 1,740 किलोमीटर से अधिक स्मार्ट सड़कें, 713 किलोमीटर साइकिल ट्रैक, 17,026 किलोमीटर जल आपूर्ति प्रणाली शामिल है, जिनकी निगरानी पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) प्रणाली के माध्यम से की जा रही है, 66 से अधिक शहर प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कर रहे हैं, लगभग 9,194 वाहनों को ओटोमेटिड व्हिकल लोकेशन (एवीएल) के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) सक्षम बनाया गया है, 9,433 स्मार्ट क्लासरूम और 41 डिजीटल लाइब्रेरी विकसित की गई है, 172 ई-हेल्थ सेंटर और क्लिनिक विकसित किए गए हैं और 152 हेल्थ एटीएम लगाए गए हैं।

*****

अनुलग्नक-I

स्मार्ट सिटी मिशन की विशेषताओं के संबंध में 12.12.2024 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2814 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (15.11.2024 तक) के लिए संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों में स्मार्ट सिटीज का विकास करने के लिए जारी और उपयोग की गई केंद्रीय सहायता का वर्ष-वार और स्मार्ट शहर-वार ब्यौरा

(करोड़ रुपए में)

राज्य/शहर	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	शुरूआत से लेकर 15 नवंबर 2024 तक जारी कुल केंद्रीय निधियां	भारत सरकार की निधियों का उपयोग
दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव	**0**	**92**	**472**	**0**	**778**	**759**
सिल्वासा	0	92	196	0	392	386
दीव	0	0	276	0	386	373
मध्य प्रदेश	**186**	**424**	**645**	**49**	**3,510**	**3,373**
भोपाल	0	0	0	0	490	490
ग्वालियर	0	98	147	49	490	466
इंदौर	0	0	0	0	490	490
जबलपुर	0	49	49	0	490	490
सागर	56	147	147	0	490	489
सतना	0	98	196	0	490	480
उज्जैन	130	32	106	0	570	467
महाराष्ट्र	**469**	**612**	**760**	**0**	**3,826**	**3,801**
अमरावती#	0	0	0	0	2	2
औरंगाबाद	0	98	98	0	490	490
ग्रेटर मुंबई#	0	0	0	0	2	2
कल्याण-डोम्बीवली	0	98	196	0	490	468
नागपुर	77	49	110	0	453	453
नासिक	0	49	184	0	429	426
पिंपरी-चिंचवाड	98	98	0	0	490	490
पुणे	49	98	0	0	490	490
सोलापुर	147	24	74	0	490	490
ठाणे	98	98	98	0	490	490

15 नवंबर, 2024 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार

टिप्पणी:

का अर्थ है कि इनका 'स्मार्ट सिटी के रूप में चयन नहीं हुआ है (18 करोड़ रु.)

अनुलग्नक-II

स्मार्ट सिटी मिशन की विशेषताओं के संबंध में दिनांक 12.12.2024 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2814 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

एससीएम के तहत दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव तथा मध्य प्रदेश में पूर्ण हो चुकी तथा अंतिम चरण में पहुंच चुकी परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रुपए में)

15 नवंबर, 2024 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार।

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल परियोजनाएं	परियोजना लागत	पूर्ण हो चुकी परियोजनाएं	पूर्ण परियोजनाओं की लागत	शेष परियोजनाएँ	शेष परियोजनाओं की लागत
1	महाराष्ट्र	347	17,042	318	14,851	29	2,191
2	दादरा और नगर हवेली	83	1890	52	1088	31	802
3	मध्य प्रदेश	788	15,078	748	14,192	40	886